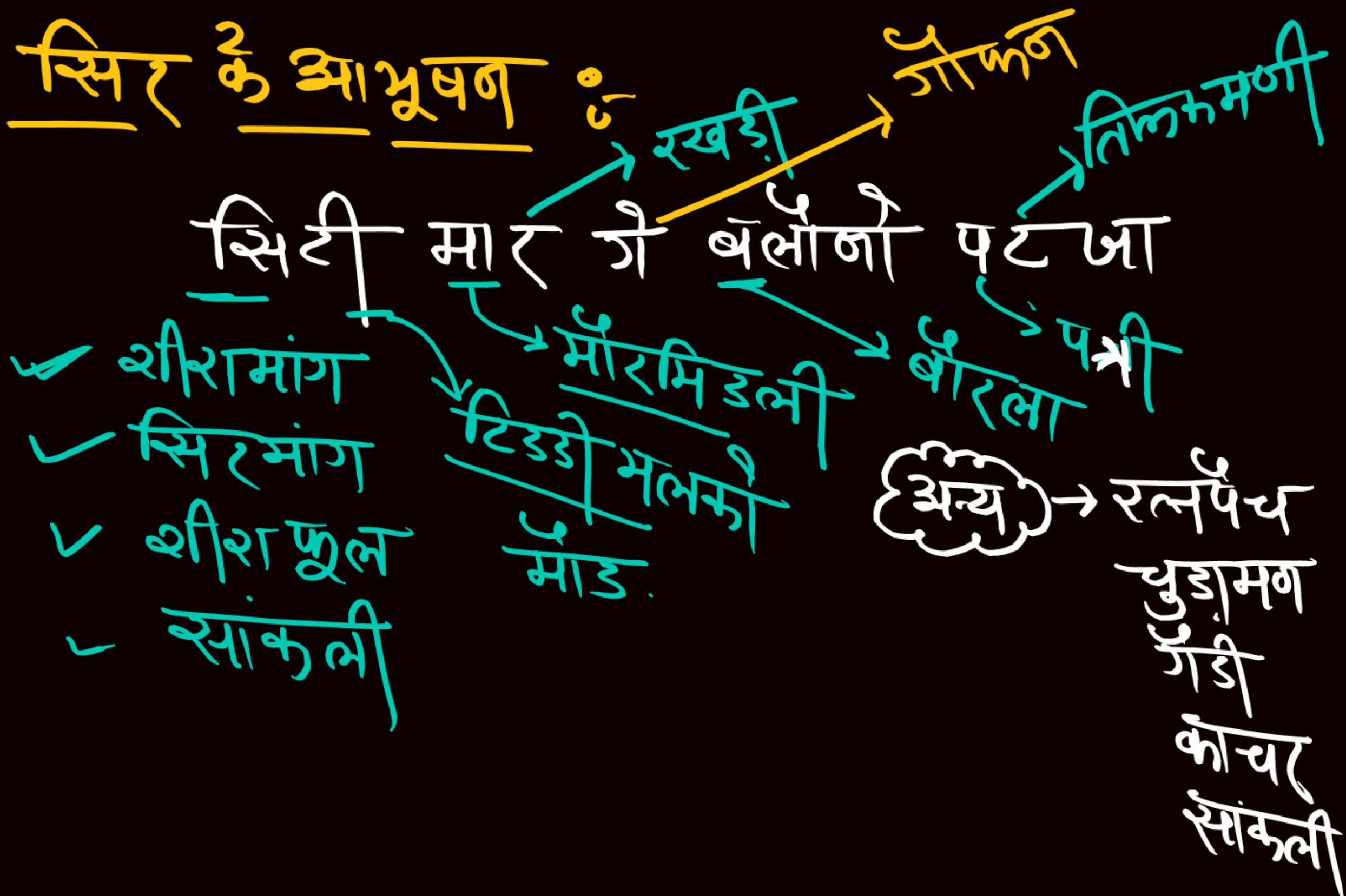


ଆଭ୍ୟନ୍ତ

स्त्री के आभूषण



कान :- सुरभि अमरा अमरी लटकन्, टॉप्स
सुरभि का अमरा लटक रहा है पूजा पुजी

मार की तरह ई-2 आर चाल
मारकर दौद्दी आंगनीय, पिपलपत्त
पुर्खी, बाकी,

बाकः बुल्ली ने फिरी वाषु की बारी में बुलाऊ नाक

काट दिया रो नैपर बलपूर्वक चौप दिया

बलनी, चौप

अन्य → नेथ, नैकसर, भवंती, लौग, कौका, बैसरी

ଆଭୁଷଣ :-

गाभूषण :- माहूर माला
मातीमाला तात्त्वीय
दृसली के माहूर और मानी पर तात्त्वीय डाक
दिया तुसली राम वेणुगोपी नाम लै
तुसली रामनामी वेणुगोपी

जौधा अकबर मुवीम् जौधा के निहाल वालों की
गले में पहनाया गया आशुषण

ਡੋਲਨਾ ਤਾਬੀਬ

दाना के आभूषण :- रखन, चुंप, घरण, मेंख, धोंसं

बोझु के आभूषण

Trick \rightarrow इत \rightarrow अजत

तन हरा दृसी

हारपान, अन्य \rightarrow उतारणा

बोझुओं में ताळत बड़त है कातिया

बोझुक-द तकिया बड़नगार

कमर :- कणकती, कदंत, करधनी, खजीर, तांडी, सठा

कलाई → गोखर, हाथफुल, पुछीया, पूँथ, बंगटी
अन्य → चुड़ी, बांगा, बंगड़ी, गजरा

गोखड़ी → लाख की चुड़ीया

बल्मया → रेषड़ की चुड़ीया

चुड़ला → हाथीदान का चुड़ा

५ दामना, मुँहरी, छँझा, छाप, अँगुठी

पैर के आँखणः

आल पेरा विचे पाले निशानी यार दी
आँखला लग्नर
पायल
पायधेव
नवरी
तुपुर
समसांल
दांका
लालसिया

की अँगुलीः बिछीया, पुरकी, फौलरा
पगापान, बिल्लुडी